स्वच्छ भारत ग्रामीण और एक पेड़ मां के नाम अभियान

बरेली 20 सितंबर भाकृअनुप-भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्जतनगर के फॉर्मर फर्स्ट प्रोग्राम के अंतर्गत 17 सितंबर से 2 अक्टूबर,2024 तक स्वच्छ भारत (ग्रामीण) और एक पेड़ मां के नाम अभियान चलाया जा रहा है। इस प्रोग्राम के प्रधान अन्वेषक डॉ रणवीर सिंह ने चयनित गांव में जाकर किसान और छात्रों की गोष्ठी आयोजित करके उनको पर्यावरण संरक्षण में वृक्षारोपण के महत्व तथा गांव में स्वच्छता के लिए घरों से उत्पन्न और पशुशाला से जैविक कचरा तथा गोबर से जय गोपाल वर्मी वर्मीकल्चर तकनीकी के द्वारा केंचुआ जैविक खाद बनाने के लिए प्रोत्साहित किया तथा किसानों को इस अवसर पर 230 जामुन और 65 किलोग्राम जय गोपाल केंचुआ का बीज वितरित किया इसके अंतर्गत नौरंगपुर में जामुन के 100 पौधे और 35 किलोग्राम जय गोपाल वर्मी कल्चर तथा 25 किलोग्राम केंचुआ जैविक खाद किसानों को दिया गया । कटका रमन गांव में जामुन की उन्नतशील प्रजाति के 130 पौधे, 30 किलो जय गोपाल वर्मी कल्चर और 35 किलो केंचुआ जैविक खाद किसानों और जूनियर हाई स्कूल छात्रों के अपने घर, खेत और पशुशाला पर जामुन पौधों का वृक्षारोपण और जैविक कचरे के प्रबंधन के लिए लिए वितरण किया गया दोनों गांव के जूनियर हाई स्कूल के प्रांगण में एक-एक जामुन का पौधा भी रोपित किया गया। पितृपक्ष में सभी छात्रों को अपनी मां और पिता के नाम एक-एक वृक्ष रोपित करने के लिए प्रेरित किया गया। किसानों और छात्रों को प्राकृतिक और जैविक खेती के लिए अपनी पशु शाला और खेत पर आईवीआरआई द्वारा विकसित जय गोपाल वर्मी कल्चर तकनीकी के द्वारा वर्मी टैंक बनाकर अपनी संपूर्ण पशु शाला और खेत के अपशिष्ट पदार्थ का प्रयोग करके केंचुआ जैविक खाद बनाने के लिए जय गोपाल वर्मी कल्चर वितरित किया गया और इस तकनीकी के बारे में गांव में प्रशिक्षित किया गया। नौरंगपुर गांव में इस कार्यक्रम में 55 किसान और 45 आठवीं के छात्रों और वहां के अध्यापकों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए इस गांव के श्री रमेश सिंह चौहान संयोजक ग्राम विकास गतिविधि आवंला जिला और अध्यापक श्री राजेश कुमार शर्मा और पूजा गुप्ता ने सहयोग प्रदान किया प्रत्येक किसान के यहां पर जाकर बर्मा टैंक का निरीक्षण किया तथा वहां पर जय गोपाल वर्मी कल्चर इनोकुलेट भी किया तथा केंचुआ का खाद और केंचुआ पालन के बारे में विस्तृत से बताया। कटका रमन में लगभग 48 किसान और जूनियर हाई स्कूल के 35 बच्चों ने भागीदारी की। तो किसानों को जैविक कचरे और गोबर से केंचुआ जब खाद बनाने के लिए जय गोपाल वर्मी कल्चर भी दिया और उनको अपनी पशु शाला पर केंचुआ खाद बनाने के लिए प्रेरित किया इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए इस गांव के पूर्व प्रधान श्री राजेश कुमार सिंह ने इस पूरे कार्यक्रम को कार्यन्वित करने में फॉर्मर फर्स्ट प्रोग्राम के वरिष्ठ शोध अध्यता श्री अंशु कनौजिया श्री सूर्य प्रताप सिंह फील्ड सहायक और पंकज यादव ने सहयोग प्रदान किया।

स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण)
एवं
एक पेड़ माँ के नाम
पितृ पक्ष : 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2024
फारमर फर्स्ट प्रोग्राम
पशु आनुवंशिकी विभाग
भाकृअनुप - भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्ज़तनगर, बरेली

स्वच्छ भारत अभियान (ग्रामीण)
एवं
एक पेड़ माँ के नाम
पितृ पक्ष : 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2024
फर्स्ट प्रोग्राम
स्वस्थ मृदा
समृद्ध किसान
केंचुआ
जैविक खाद
जय गोपाल वर्मीकल्चर तकनीकी के द्वारा
(मूल्य वर्धित शोध उत्पाद)
कुल भार :
अधिकतम कीमत :
पशु आनुवंशिकी विभाग

स्वच्छ गाँव
अभियान
एवं
एक पेड़ माँ के
17 सितम्बर से
फारमर फर्स्ट
पशु
पशु चिकित्सा अनुसंधान

स्वस्थ मृदा
उन्नत बीज एवं पशु
स्वस्थ पशु एवं
किसान परिवार
समृद्ध किसान
अभियान (ग्रामीण)
एवं
एक पेड़ माँ के नाम
पितृ पक्ष : 17 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2024
फारमर फर्स्ट प्रोग्राम
पशु आनुवंशिकी विभाग
भारतीय पशु चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, इज्ज़तनगर, बरेली

प्राकृतिक खेती
फार्मर फर्स्ट
भारत अभियान
एवं
पेड़ माँ के

प्राकृतिक खेती
फार्मर फर्स्ट
स्वच्छ

जय गोपाल
वर्मी कल्चर
कुल भार
अधिकतम कीमत
पशु आनुवंशिकी विभाग
केंचुआ
जैविक खाद

जय गोपाल
वर्मी कल्चर
कुल भार :
कि०ग्रा०
अधिकतम कीमत :
रूपये
पशु आनुवंशिकी विभाग